



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संविधान क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्हें एपेक्स बैंक द्वारा 1.28 करोड़ रुपये और कॉनफेड द्वारा 21.73 लाख रुपये की लाभांश राशि के प्रतीकात्मक चेक भी भेंट किए गए।

## मुख्यमंत्री ने संविधान क्लब में सहकार सदस्यता अभियान की शुरुआत की

**उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सहकारी समितियों की संख्या में 10 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य रखा है**

जयपुर, 2 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में सहकारिता के माध्यम से समृद्धि की एक नई और सशक्त कहानी लिखी जा रही है। इसी दिशा में राजस्थान सरकार भी सहकारिता की शक्ति से प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले सहकार सदस्यता अभियान का उद्देश्य सहकारिता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाना है।

मुख्यमंत्री शर्मा राजधानी जयपुर स्थित संविधान क्लब में आयोजित सहकार सदस्यता अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत, प्रदेश भर की लगभग 8,30,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) पर सदस्यता शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान कुल पांच विभागीय गतिविधियों

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 8,300 प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) पर सदस्यता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं।

■ सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में राजस्थान ने सहकारिता के क्षेत्र में शीर्ष पाँच राज्यों में जगह प्राप्त की है।

को समन्वित रूप से चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सहकारी समितियों की संख्या में कम से कम 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे सहकारिता की पहुंच और प्रभाव क्षेत्र को विस्तारित किया जा सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने अब तक 77 लाख से अधिक किसानों को 42,765 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरित किया है। इसके अलावा, 2.48 लाख नए किसानों को

33 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान किया गया है, जबकि 30 हजार से अधिक लाभार्थियों को 260 करोड़ रुपये के आजीवनिक ऋण दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सहकारिता केवल एक आर्थिक मॉडल नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दायित्वों को निभाने का सशक्त माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि सहकारिता क्षेत्र में देश की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न पंढारण योजना के तहत, पैक्स स्तर पर गोदामों और भंडारण केन्द्रों का निर्माण किया जा

रहा है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में सहकारिता की गतिविधियों को नई दिशा मिली है और राज्य सहकारिता के क्षेत्र में देश के शीर्ष पाँच राज्यों में स्थान प्राप्त कर रहा है। वहीं, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि डेयरी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने लगभग 700 करोड़ रुपये से अधिक की बजट सौगात दी है और सरस उतप्लावों की गुणवत्ता तथा मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग की ओर से मुख्यमंत्री को एपेक्स बैंक द्वारा 1.28 करोड़ रुपये और कॉनफेड द्वारा 21.73 लाख रुपये की लाभांश राशि के प्रतीकात्मक चेक भी भेंट किए गए। समारोह में प्रमुख शासन सचिव सहकारिता मंजू राजपाल, आरसीडीएफ एमडी श्रुति भारद्वाज सहित, बड़ी संख्या में सहकारिता सदस्य उपस्थित थे।

## अंबानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) उन्होंने कहा कि साझेदारी बॉटलिंग, तकनीक और ब्रांडिंग से जुड़े समझौते पर आधातर होगी। कंपनी भागीदार कंपनियों का अधिग्रहण करने की योजना नहीं बना रही है।

“कैपा श्योर” की कीमतें 250 मिलीलीटर की बोतल के लिए सिर्फ 5 रुपए से शुरू होंगी। इसे अगले पखवाड़े में उत्तरी भारत में उतारा जाएगा। इसके बड़े पैक मौजूदा राष्ट्रीय ब्रांडों से 20-30 प्रतिशत सस्ते होंगे। उदाहरण के लिए, एक लीटर की “कैपा श्योर” बोतल 15 रुपए में बिकेगी, जबकि इस श्रेणी के प्रमुख खिलाड़ी, विसलेरी, कोका-कोला की “किन्ले” और पेप्सीको की “एक्वफीना” की एक लीटर की बोतलें 20 रुपए में बिकती हैं। दो लीटर का पैक “कैपा श्योर” का 25 रुपए में मिलेगा, जबकि प्रतिगोली कंपनियों के पैक 30-35 रुपए में बिकते हैं।

रिलीयंस पहले से ही अपनी “इन्डिपेंडेंट” स्टेपल फ्रैंचाइज के तहत एक और पैकेज्ड वॉटर ब्रांड बेच रही है, जिसकी कीमत “कैपा श्योर” से ज्यादा है।

## सरकार ने लद्दाख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) दर्जनों लोग, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल थे, घायल हुए।

इसके बाद हुई सख्त कार्रवाई में की गई और 50 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया।

एलएबी और केडीए को मुख्य मांग है, चार मौतों की न्यायिक जांच, जिनके बारे में उनका दावा है कि वे सीआरपीएफ की गोलीबारी में मारे गए। उनमें से एक थे त्सेवांग धरचिन, जो लद्दाख स्काउट्स में तैनात एक सैनिक थे और 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ करगिल युद्ध में लड़ चुके थे। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने और जम्मू-कश्मीर राज्य के विभाजन के बाद लद्दाख को अलग

## अमेरिका में ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) इस पर गांधी ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा “कमजोरों को पीटना” और ताकतवरों से दूर भगाना है। गांधी ने वहाँ इंजीनियरिंग छात्रों से कहा कि साम्राज्य ऊर्जा परिवर्तन के दौर में उभरते हैं। “ब्रिटिशों ने स्टीम इंजन और कोयले पर नियंत्रण किया, वे महाशक्ति बने। हमने उस साम्राज्य से लड़ाई लड़ी और 1947 में आजादी हासिल की। ब्रिटिशों के बाद, अमेरिकियों ने कोयला और स्टीम से पेट्रोल और इंजन तक बदलाव की यात्रा की। अब नया बदलाव बैटरी और इलेक्ट्रिक मोटर का है। अमेरिका, जिसका विश्व के प्रति समुद्री दृष्टिकोण है, और चीन, जिसकी जमीनी दृष्टि है, दोनों के बीच असली लड़ाई यही है कि यह बदलाव कौन संभालेगा। अब तक चीनी आगे चल रहे हैं।”

अमेरिका के बारे में बोलते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की धुवीकरण की राजनीति बेरोजगारी को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा, “भारत में आर्थिक वृद्धि के बावजूद हम नौकरियाँ नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था सेवाओं

पर आधारित है और हम उत्पादन नहीं कर पा रहे। अमेरिका में ट्रंप के साथ ज्यादातर वही लोग धुवीकृत हैं, जिन्होंने निर्माण क्षेत्र में अपनी नौकरियाँ खोईं। चीन ने बिना लोकतंत्र के माहौल में उत्पादन कर दिखाया है। लेकिन हमें लोकतांत्रिक ढाँचे में उत्पादन का ऐसा मॉडल खड़ा करना होगा, जो चीन से प्रतिस्पर्धा कर सके।”

जैसी कि उम्मीद थी, भाजपा ने विपक्ष के नेता पर पलटवार किया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनवाल ने एक्स पर कहा, “एक बार फिर राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं, बल्कि प्रोपेगंडा के नेता की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वे विदेश जाकर भारतीय लोकतंत्र पर हमला करते हैं। कभी अमेरिका और ब्रिटेन से हमारे मामलों में दखल की माँग करते हैं और अब यह सब कर रहे हैं। सेना से लेकर न्यायपालिका तक, संविधान से लेकर सनातन तक, सब पर हमला।” केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को कहा, “बाबू किसी पार्टी का नेतृत्व राहुल गांधी जैसे लोग करेंगे, जो 2017 से 2018 तक पैतल की कीमतें 80 प्रतिशत गिर गई हैं। इसी कारण हरे-भरे ब्राजील से लेकर सूखा प्रभावित इराक तक, किसान अब सिंचाई के लिए घुप का इस्तेमाल करने लगे हैं।”

## पाकिस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) लाहौर स्थित नवीकरणीय ऊर्जा विशेषज्ञ सैयद फैजान अली शाह ने इसकी समीक्षा की है, से पता चलता है कि करीब 4 लाख टन्युबवेल, जो पहले ग्रीड बिजली से चलते थे, अब सौर ऊर्जा पर चल रहे हैं। हबीब का अनुमान है कि किसानों ने 2023 से अब तक लगभग 2.5 लाख नए सौर टन्युबवेल भी खरीदे हैं। यानी, पाकिस्तान में कुल मिलाकर लगभग 6.5 लाख टन्युबवेल धूप से चल रहे हैं।

पाकिस्तान में कृषि के सौर ऊर्जा की ओर बढ़ते हुए और इसकी वजह से भूजल स्तर कम होने पर यह पहली वित्तरूप रिपोर्ट है।

सन् 2023 में बिजली दरों में तेज बढ़ोतरी से प्रोत्साहित होकर पाकिस्तान में सौर ऊर्जा का उपयोग तेजी से बढ़ा है। यही रूझान अब बुनियाद के अन्य देशों में भी देखा जा रहा है। चीन में सौर पैनलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से 2017 से 2018 तक पैतल की कीमतें 80 प्रतिशत गिर गई हैं। इसी कारण हरे-भरे ब्राजील से लेकर सूखा प्रभावित इराक तक, किसान अब सिंचाई के लिए घुप का इस्तेमाल करने लगे हैं।

## ‘सरकार के प्रति असंतोष की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) परिवर्तन हुआ है, जो हमारे लिए चिंता का विषय है। भारत में गड़बड़ी फैलाना चाह रहे ताकत देश के अंदर और बाहर, दोनों तरफ सक्रिय हैं। उन्होंने यह भी कहा कि “जनता की स्थिति को ध्यान में रख कर नीतियां नहीं बनातीं तो असंतोष पैदा होता है, पर उस असंतोष की हिंसक अभिव्यक्ति से परिवर्तन नहीं आता।”

भागवत ने 22 अप्रैल की पहलामा की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमा पार से आए आतंकवादियों ने 26 भारतीय नागरिक पर्यटकों को इसलिए मार डाला, क्योंकि वे हिंदू थे। उन्होंने कहा, “सरकार और सेना ने मई में इसका करारा जवाब दिया और हम सभी ने देश के नेतृत्व, हमारी सेना के शौर्य और समाज की एकता व संकल्प के प्रेरणादायक दृश्य देखे।”

लेकिन इसके साथ ही, यह भी स्पष्ट हो गया है कि हमें यथासंभव सतर्क रहना होगा और अपनी सुरक्षा क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम से यह भी

पता चला कि हमारे सच्चे मित्र कौन हैं और वे हमारे साथ कितनी दूर तक खड़े रहने को तैयार हैं।

भारत के खिलाफ अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ (शुल्क वृद्धि) पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने स्वदेशी के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस भी उपस्थित थे।

इस वर्ष की विजयदशमी रैली ने आरएसएस के 100 वर्षों की पूर्णता को प्रदर्शित किया। आरएसएस की स्थापना 27 सितंबर 1925 को (उस दिन दशहरा था) डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा अपने कुछ साथियों के साथ की गई थी। पिछले 100 वर्षों में यह संगठन हिंदू धर्म और परंपराओं की रक्षा हेतु समर्पित विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन बन चुका है। देशभर में लाखों लोग संघ की शाखाओं में भाग लेते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जो दलित आइकन हैं, की उपस्थिति को संघ के “सामाजिक समरसता” कार्यक्रम के तहत, शताब्दी वर्ष में सभी वर्गों को साथ

## सोनिया गांधी ने महात्मा गांधी व शास्त्री को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 02 अक्टूबर। कांग्रेस संसदीय दल की नेता तथा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उनकी समाधि पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांधी पहले बापू के समाधि स्थल राजघाट गईं और पुष्प अर्पित कर

■ वे पहले राजघाट और फिर विजय घाट गईं और पुष्प अर्पित किये।

राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की समाधि विजयघाट जाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। देश को सत्य, शांति और अहिंसा का मार्ग दिखाने वाले बापू और अपने दृढ़ संकल्प से देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शास्त्री जी को आज पूरा देश याद कर रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरे अस्वस्थ होने के कारण बेंगलूर में उपचाराधीन हैं, जबकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी देश में नहीं हैं। दिल्ली में मौजूद गांधी ने कांग्रेस की तरफ से दोनों महापुरुषों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

## बीजापुर में 103 माओवादियों का एतिहासिक आत्मसमर्पण

**इसमें 49 ईनामी माओवादी हैं जिन पर कुल एक करोड़ से भी ज्यादा का ईनाम है**

बीजापुर, 02 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सल उन्मूलन नीति एवं पुनर्वास योजनाओं ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है, जहां बीजापुर जिले में 103 माओवादियों ने ऐतिहासिक आत्मसमर्पण किया है। इनमें 1 करोड़ 6 लाख 30 हजार रुपये के इनाम वाले 49 इनामी माओवादी भी शामिल हैं, जिन्होंने बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।

यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ शासन के “पुनर्मिलन-पुनर्वास से पुनर्जीवन” नीति की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। समर्पण करने वालों में

## खंडवा में मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा, 11 की मौत

**दुर्गा मूर्ति विसर्जन करने जा रही ट्रॉली के तालाब में गिरने से हादसा हुआ**

खंडवा, 02 अक्टूबर। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में बड़ा हादसा हो गया। नवरात्रि उत्सव के बाद माला की प्रतिमा विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिया पार करते समय तालाब में गिर गई। यह हादसा पंधाना थाना क्षेत्र के जामली गांव में हुआ। शुरु में पांच मौतों की खबर आई थी, लेकिन अब मृतकों की संख्या बढ़ कर 11 हो चुकी है। हादसे में मारे गए लोगों में ज्यादातर बच्चे हैं। सभी शवों को पंधाना सामुदायिक स्वास्थ्यकेन्द्र लाया जा रहा है। फिलहाल घटना स्थल पर रेस्क्यू अभियान जारी है। नावों पर लाइट लगाकर सर्चिंग की जा रही है। हादसे की जानकारी मिलते ही कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंच गए थे।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक खंडवा जिले के पंधाना क्षेत्र के ग्राम अर्दला और जामली से आए 30-35 लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर तालाब पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि ट्रॉली पर जरूरत से ज्यादा लोग बैठे थे। पुलिया पर खड़ी होने के दौरान संतुलन बिगड़ने से ट्रॉली पलटकर तालाब में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे

■ हादसा जामली गांव में हुआ, ट्रैक्टर ट्रॉली में क्षमता से ज्यादा लोग थे इसलिए ट्रॉली पुलिया से पलट कर तालाब में गिर गई।

■ 11 मृतकों में से 9 बच्चियां हैं, डूबे हुए लोगों की तलाश की जा रही है।

में अब तक 11 लोगों के शव बरामद किए गए हैं, जिनमें 9 बच्चियां शामिल हैं। जेसीबी की मदद से ट्रॉली को बाहर निकाल लिया गया है और प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद है। फिलहाल रेस्क्यू अभियान जारी है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि सभी लापता लोगों के शव मिल चुके हैं, पर ऐतिहासत सर्चिंग की जा रही है।

इंदौर (ग्रामीण) रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग ने बताया कि यह हादसा तब हुआ, जब पंधाना क्षेत्र में दुर्गा देवी की मूर्तियों को विसर्जन के लिए जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली श्रद्धालुओं समेत तालाब में पलट गई। पुलिस और प्रशासन के साथ ही एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से बचाव अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि

ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र के अलग-अलग पंडालों में नवदुर्गा उत्सव के दौरान स्थापित मूर्तियों को तालाब में विसर्जित करने जा रहे थे। उन्होंने बताया कि हमें पता चला है कि हादसे के बाद पांच-छह श्रद्धालु तालाब से जीवित बाहर आ गए। पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि हादसे के कारण का पता लगाया जा रहा है।

सीएम मोहन यादव ने भी घटना पर दुख जताया है। सीएम ने मृतकों के निकटतम परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि तथा घायलों को नजदीकी अस्पताल में समुचित उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। देवी मां दुर्गा से सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और शोक संतप्त परिजनों को संबल हेतु प्रार्थना है।

## दलाई लामा ने आरएसएस की प्रशंसा की

नागपुर, 02 अक्टूबर। तिब्बत के अध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने गुरुवार को भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और उसे समृद्ध बनाने के लिए एक शताब्दी से अधिक समय से

■ उन्होंने एक संदेश में कहा कि इसके सदस्य कर्तव्य और समर्पण की दृढ़ भावना से काम करते हैं।

समर्पित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सेवाभाव की प्रशंसा की।

उन्होंने आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक संदेश में कहा कि इसके सदस्य कर्तव्य और समर्पण की दृढ़ भावना से काम करते हैं। यह संदेश यहाँ आयोजित आरएसएस शताब्दी समारोह में साझा किया गया।

दलाई लामा ने पिछले पचास वर्षों में आरएसएस के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर विचार करते हुए संगठन के मानवीय मूल्यों, धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और भारत के प्राचीन ज्ञान की रक्षा के कार्यों की सराहना की। उन्होंने भारत में तिब्बती समुदाय के लिए आरएसएस के समर्थन को भी स्वीकार किया। उन्होंने शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए दूरदर्शक के क्षेत्रों में संगठन की पहुंच और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत प्रदान करने में इसकी सक्रिय भूमिका का उल्लेख किया।

## प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सामर्थ्य की ओर भी ध्यान आकर्षित किया, जो न केवल देश को सशक्त बना सकती है, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

## पीओके में सेना की फायरिंग, 8 प्रदर्शनकारी मरे

मुजफ्फराबाद, 02 अक्टूबर। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के कई शहरों और कस्बों में गरीबी और बदवर्तनीय से नाजब होकर सड़क पर प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाक सुरक्षा बलों की गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में आठ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए।

सूत्रों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर अवामी एक्शन कमिटी (जेकेएएस) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर के अह्वान पर इन नाराज लोगों ने कई इलाकों से मुजफ्फराबाद की ओर एक लंबा मार्च शुरू किया था। अग्रुष्ट सूत्रों के अनुसार, कोटली इलाके में रावलकोट और बाग से मुजफ्फराबाद की ओर कूच कर रहा करीब दो हजार लोगों का काफिला जब धोरकोट इलाके में पहुंचा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी। इस घटना में चार नागरिक मारे गए और लगभग सौहार्द घायल हो गए। धोरकोट में हुई हिंसा के विरोध में जब मुजफ्फराबाद के लोग चोक पर लोगों ने धरना दिया तो पुलिस ने धरना दे रहे इन लोगों पर गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले दाले। इस घटना में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा, चकसवारी और इस्लामगढ़ से

सूत्रों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर अवामी एक्शन कमिटी (जेकेएएस) के प्रमुख नेता शौकत नवाज मीर के अह्वान पर इन नाराज लोगों ने कई इलाकों से मुजफ्फराबाद की ओर एक लंबा मार्च शुरू किया था। अग्रुष्ट सूत्रों के अनुसार, कोटली इलाके में रावलकोट और बाग से मुजफ्फराबाद की ओर कूच कर रहा करीब दो हजार लोगों का काफिला जब धोरकोट इलाके में पहुंचा तो पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी। इस घटना में चार नागरिक मारे गए और लगभग सौहार्द घायल हो गए। धोरकोट में हुई हिंसा के विरोध में जब मुजफ्फराबाद के लोग चोक पर लोगों ने धरना दिया तो पुलिस ने धरना दे रहे इन लोगों पर गोलीबारी की और आंसू गैस के गोले दाले। इस घटना में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। इसके अलावा, चकसवारी और इस्लामगढ़ से